कक्षा – 10
व्याकरण
(वाच्य)

परिभाषा –

‘ वाच्य ’ का अर्थ होता है – ‘ बोलने का विषय ’ ।अत: क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है अथवा भाव है , उसे ‘वाच्य’ कहते हैं ।

जैसे- मैंने पत्र लिखा ।

- यह कविता उसके द्वारा लिखी गई है ।
- मुझसे चला नहीं जाता ।

वाच्य के भेद -

वाच्य के दो भेद होते हैं –

i. **कर्तृवाच्य** ii. **अकर्तृवाच्य**

1. **कर्तृवाच्य –** जब क्रिया का मुख्य विषय कर्ता हो अर्थात जब क्रिया का संबंध कर्म और भाव से न होकर कर्ता से होता है तो वह वाच्य कर्तृवाच्य कहलाता है । यहाँ क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष भी कर्ता के अनुसार ही लगाए जाते हैं ।

उदाहरण - राम सोता है ।
- बच्चा खेलता है ।

2. अकर्तृवाच्य – जिन वाक्यों में कर्ता गौण या लुप्त होता है, उसे अकर्तृवाच्य कहते हैं । इसके दो भेद होते हैं –
कर्मवाच्य और भाववाच्य ।

1. **कर्मवाच्य** - जब क्रिया का विषय कर्ता न होकर कर्म होता है तो वह वाच्य कर्मवाच्य कहलाता है । यहाँ कर्ता के बाद 'से' अथवा 'द्वारा' का प्रयोग किया जाता है । क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार ही लगाए जाते हैं ।

उदाहरण -

- लडके द्वारा पत्र लिखा जाता है ।
- सुंदर से मधुर गीत गाए गए ।

2. **भाववाच्य** – जब क्रिया का विषय कर्ता और कर्म न होकर भाव होता है तो वह वाच्य भाववाच्य कहलाता है । ऐसे वाक्यों में क्रिया सदा एकवचन, पुल्लिंग , अकर्मक तथा अन्य पुरुष में रहती है। भाववाच्य केवल अकर्मक क्रियाओं के साथ ही संभव होता है । भाववाच्य का प्रयोग असमर्थता प्रकट करने के लिए ‘ नहीं ’ शब्द के साथ किया जाता है ।

उदाहरण –

- रवि से चला नहीं जाता ।
- अब मुझसे सहा नहीं जाता ।

वाच्य-परिवर्तन

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना-

1. पहले कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में बदलें ।
2. उस परिवर्तित क्रिया के साथ 'जाना' क्रिया का काल, पुरुष, वचन और लिंग के अनुसार जो रूप हो, उसे जोडकर साधारण क्रिया को संयुक्त क्रिया में बदलें ।
3. कर्तृवाच्य के कर्ता के साथ यदि कोई विभक्ति लगी हो तो उसे हटाकर 'से' अथवा 'के द्वारा' का प्रयोग करें ।
4. यदि कर्म के साथ कोई विभक्ति लगी हो तो उसे हटा दें ।

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना-

1. मैंने पत्र लिखा । (कर्तृवाच्य)
   मुझसे पत्र लिखा गया । (कर्मवाच्य)

2. करीम पतंग उडा रहा है । (कर्तृवाच्य)
   करीम द्वारा पतंग उडाई जा रही है । (कर्मवाच्य)

3. सुंदर ने गीत गाए । (कर्तृवाच्य)
   सुंदर से गीत गाए गए । (कर्मवाच्य)

कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना

1. कर्ता के आगे ‘से’अथवा ‘के द्वारा’ लगाएँ ।

बच्चे – बच्चों से

लडकी – लडकी के द्वारा

2. मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया के एकवचन में बदलकर उसके साथ ‘जाना’ धातु के एकवचन, पुल्लिंग अन्य पुरुष का वही काल लगा दें जो कर्तृवाच्य की क्रिया का है ।

पढेंगे – पढा जाएगा ।

खेल रही थी – खेला जा रहा था ।

सोते हैं – सोया जाता है ।

कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना

1. हम इतनी दूर नहीं रह सकते । (कर्तृवाच्य)
हमसे इतनी दूर नहीं रहा जा सकता । (भाववाच्य)

2. सौम्या सुबह को नहीं उठ सकी । (कर्तृवाच्य)
सौम्या से सुबह नहीं उठा जा सका । (भाववाच्य)

3. पक्षी रात को सोते हैं । (कर्तृवाच्य)
पक्षियों से रात को सोया जाता है । (भाववाच्य)

धन्यवाद ।

प्रतिभा बी. बुंदेल
पी.जी.टी.हिंदी
प.ऊ.के.वि-2, कलपक्कम